

अनुसंधान तथा विकास (Research and Development) →

शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास की महत्ता को दृष्टिगत रखकर अनुसंधान तथा विकास के सम्बन्ध में विद्यालय कार्यक्रम में रूची गई कुछ प्रमुख बातें निम्न थी।

- (i) पाठ्यक्रम विकास कक्षों की स्थापना की योजना शुरू की जायेगी।
- (ii) अनुसंधान आधिसंरचना से युक्त संस्थाओं की संख्या बढ़ाई जायेगी।
- (iii) अध्यापकों को अनुसंधान करने के अधिक अवसर मिल सकें, इसका प्राविधान किया जायेगा।
- (iv) अध्यापकों तथा संस्थाओं को निष्पादन क्षमता निर्धारित करने में अनुसंधान को महत्व दिया जायेगा।
- (v) अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा संस्थाओं में अनुसंधान समितियाँ बनाई जायेगी।
- (vi) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर प्रतिभा खोज परीक्षाएँ तथा दायवृत्तियाँ प्रारम्भ करेगा।
- (vii) अनुसंधान वैज्ञानिक योजना का विस्तार किया जायेगा।
- (viii) विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अनुसंधान सुविधाएँ स्थापित की जायेगी।

NVEQF नेशनल वॉकेशनल एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क

4 → नए पॉलिटेक्निक स्कूलों की स्थापना करना → भारत सरकार की माध्यात्मिक के अन्तर्गत 1000 पॉलिटेक्निक स्कूलों की स्थापना करके जिनमें 300 पॉलिटेक्निक स्कूलों को राज्य सरकार / वैश्वशासित क्षेत्रों में NGE द्वारा मूक क्षेत्रों में शिक्षा के अन्तर्गत स्थापना करना। 300 तो पॉलिटेक्निक स्कूलों की सहभागिता सार्वजनिक एवं निजी सहभागिता के राज्य सरकार तथा वैश्वशासित क्षेत्रों में स्थापना करना। इस 300 पॉलिटेक्निक स्कूलों की चयन करने का कार्य राज्य सरकार / वैश्वशासित क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक संस्थान जैसे FICCI तथा चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है। इसका एच और कार्य में 400 भौत प्राइवेट स्कूल जैसे संस्थानों की स्थापना करना।

4.1 → भास्तिव में रह रहे पॉलिटेक्निक स्कूलों की शक्तियाँ/मजबूती प्रदान करना -

डिप्लोमा के लिये चयन स्कूलों को पाठ्यकारिक स्कूल के लिये चयन निर्माण करके पाठ्यकारिक स्कूलों को चलाना तथा इस स्कूलों को विशेष प्रकार के विद्यार्थियों के अनुभव भावना सामग्रीयों सुशाब्दित करना। इसके साथ-साथ शिक्षक आयोग तथा लेख प्रक्रियाओं में समावेश भाग तथा मूलभूत सुविधाएँ (भवन) को नये डिप्लोमा के लिये सुशाब्दित करना -

4.2 - पाठ्यकारिक स्कूलों में लड़कियों के लिए नये एस्टेब्लिशमेंट का निर्माण करना लड़कियों को आकर्षित करने हेतु ^{राज्य} विद्यार्थी सहायता प्राप्ति कर लगभग 500 पाठ्यकारिक एस्टेब्लिशमेंट का निर्माण करना

4.3 पाठ्यकारिक समुदाय का निर्माण करना। AICTE के मानक के अनुभव चयनित पाठ्यकारिक स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षकों को बढ़ावा देना हेतु समुदाय विकास पाठ्यकारिक योजना (CDTP) स्कीम का निर्माण करना।

प्रत्येक पॉलिटेक्निक स्कूल में अधुरूपी अचौपचारिक रूप से स्कीमों जैसे कार्यक्रमों को शामिलित करना लगभग 5 से 10 गांव से स्टाफ हुआ करना चाहिए - प्रत्येक पॉलिटेक्निक स्कूल लगभग 600 व्यावस्थाओं को हर वर्ष विभिन्न प्रकार के कोश/संज्ञाएँ पढक शिक्षा से अवगत करना तथा ये निर्धारित करना कि उनकी आयु तथा योग्यता तथा नण्डुअन्वयन कहे हुए बिना किली फीसके उनको पढ़ाना ।

- 5- अनशिक्षण संस्थान - इस शिक्षण योजना को शामिल विद्यापीठ से जोड़ा गया है जिसमें व्यावसायिक शिक्षा हेतु अधिगम कला को निश्चय ही के बावजूद बिना किसी पक्षपात के सखी तथा ग्रामीण बच्चों को इस योजना से शामिलित करना यह व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में साक्षर तथा अर्द्धसाक्षर आवे को जो आर्थिक सामाजिक पिछड़े आवे को जिसकी उम्र 15 से 35 है इस इस योजना में शामिल किया जाता है। इसमें महिलाओं को ^{प्रधान} प्रदान की जाती है। इस समय लगभग 23 अनशिक्षण संस्थान देश के विभिन्न राज्यों में संचालित किए जाते हैं।